आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 11 लखनऊ, रविवार 21 जून से 27 जून, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

देश सेना के साथ, बिहार रेजिमेंट पर गर्व है : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन भारत नियंत्रण रेखा पर शहीद हुए लोगो का नमन करते हुए कहा कि हमें इन शहीदों पर गर्व है और देश सेना के साथ है। मोदी ने शनिवार को देश में भयंकर कोरोना संकट को देखते हुए प्रवासी मजदूरों को उनके अपने गांव में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ५०,००० करोड़ रूपये के गरीब कल्याण योजना को लांच करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, " बिहार रेजिमेंट के जवानों ने जो कुर्बानी दी उस पर बिहार को गर्व है। मैं उन शहीदों को नमन करता हूँ। देश सेना के साथ और यह देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बिहार के खगड़िया जिले के बेलदौर प्रखंड के तेली हर गांव से इस योजना को लांच किया। इस योजना में छह राज्यों के ११६ जिले शामिल किए गए हैं।इनमे राजस्थान , मध्य प्रदेश , झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा को शामिल हैं। प्रत्येक जिले में कम–से–कम से कम २५००० मजदूर इस अभियान में शामिल होंगे। इस तरह से लगभग एक तिहाई प्रवासी

मजदूरों को इस अभियान का लाभ मिलेगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के प्रारंभ में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस योजना की जानकारी दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आदि ने सम्बोधित किया। इस अभियान के तहत रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के साथ ही स्थायी बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में २५ कार्यों का तेज गति से क्रियान्वयन होगा। इस अभियान में २७ आकांक्षी जिलों को भी शामिल किया गया है। इस अभियान के तहत होने वाले कार्यों में तालाब बनाना, दीवार बनाना, पशुपालन के लिए आवास बनाना, स्थानीय सड़कों और पुलों का निर्माण करना आदि कार्य शामिल है। सरकार का उद्देश्य प्रवासी मजदूरों को तत्काल राहत पहुंचाना है। इस अभियान के लिए निर्धारित पचास हजार करोड रूपये की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आएगी। सरकार ने यह राशि पहले ही जारी कर दी है। इस अभियान में १२ विभिन्न मंत्रालयों और विभागों– ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, खान, पेयजल और स्वच्छता, पर्यावरण, रेलवे, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, सीमा सड़क, दूरसंचार और कृषि के कार्य शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री ने भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया : कांग्रेस

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वदलीय बैठक में किए गए दावे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने केंद्र पर तीखा हमला किया है। राहुल ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया है। उन्होंने ट्विट किया– प्रधानमंत्री ने चीनी आक्रामकता के आगे भारतीय क्षेत्र को चीन को सौंप दिया है। राहुल ने सवाल किया– अगर यह जमीन चीन की थी तो हमारे सैनिक क्यों शहीद हुए? वे कहां शहीद हुए? गौरतलब है कि मोदी ने भारत–चीन तनाव पर शुक्रवार को बुलाई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि न कोई हमारे क्षेत्र में घुसा और न ही किसी ने हमारी चौकी पर कब्जा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को लेकर शनिवार को पी चिदंबरम ने भी सवाल किया और कहा कि क्या प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दे दी है। उन्होंने ट्विट किया– प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सीमा में कोई विदेशी नहीं है। अगर यह सही है तो पांच–छह मई को क्या हुआ? पिछले दिनों दोनों देशों के सैनिकों के बीच संघर्ष क्यों हुआ? भारत ने अपने २० जवान क्यों खोए? पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने यह सवाल भी किया– अगर चीनी सैनिकों ने कोई घुसपैठ नहीं की है तो फिर छह जून को कोर

कमांडर स्तर की बैठक क्यों हुई थी? क्या यह बैठक मौसम के बारे में हुई थी? अगर किसी चीनी सैनिक ने एलएसी पार नहीं किया तो फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान में पूर्व यथास्थिति की बहाली की बात क्यों हुई? उन्होंने सवालिया लहजे में आगे कहा– क्या प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दिया है? अगर ऐसा है तो फिर चीन से बातचीत क्यों? मेजर जनरल बातचीत क्यों कर रहे हैं और किस बारे में बात कर रहे हैं? गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत–चीन तनाव पर शुक्रवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि न कोई हमारे क्षेत्र में घुसा और न ही किसी ने हमारी चौकी पर कब्जा किया है।

गरीब योजना में प्रदेश के 31 जिलों को चुने जाने पर योगी का मोदी को आभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज गरीब कल्याण रोजगार अभियान का शुभारम्भ किये जाने पर उनका हार्दिक अभिनन्दन

किया और इसके तहत राज्य के ३१ जिलों को चुने जाने पर उनका आभार जताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे देश में गरीब कल्याण व ग्रामीण विकास को नया आधार देने के लिए प्रधानमंत्री की पहल पर संचालित किया जा रहा यह अभियान गांवों में आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री की आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं के अनुरूप गरीब कल्याण रोजगार अभियान को संचालित करते हुए इसका लाभ जन–जन तक पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है। गौरतलब है कि वापस आये श्रमिकों तथा गांव के लोगों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से देश के छह राज्यों के ११६ जिलों में १२५ दिन का यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में उत्तर प्रदेश के ३१ जिले चुने गये हैं। राज्य के सिद्धार्थनगर, प्रयागराज, गोण्डा, महराजगंज, बहराइच, बलरामपुर, जौनपुर, हरदोई, आजमगढ़, बस्ती, गोरखपुर, सुल्तानपुर, कुशी नगर, संतकबीर नगर, बांदा, अम्बेडकर नगर, सीतापुर, वाराणसी, गाजीपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अयोध्या, देवरिया, अमेठी, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, श्रावस्ती, फतेहपुर, मिर्जापुर, जालौन और कौशाम्बी को चुना गया है। गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत कामगारों की रूचि और कौशल के अनुरूप रोजगार व स्वरोजगार के कार्य कराये जाएंगे। ग्रामीण सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के निर्माण के तहत सड़क, ग्रामीण आवास, बागवानी, पौधा रोपण, जल संरक्षण एवं सिंचाई, आंगनवाड़ी, पंचायत भवन, तथा जल जीवन मिशन आदि से जुड़े २५ कार्य सम्मिलित किये गये हैं। इस अभियान के संचालन से रोजगार की तुरन्त आवश्यकता वाले कामगारों को विभिन्न कार्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा वे अपने ही गांव में जीविकोपार्जन की विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित भी होंगे।

पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराया

श्रीनगर। आतंकवादियों के लिए हथियार लेकर भारत की सीमा में घुसे एक ड्रोन को सीमा सुरक्षा बल, बीएसएफ के जवानों ने मार गिराया। जम्मू कश्मीर के कठुआ के पनसर इलाके में बीएसएफ ने शनिवार को पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। पाकिस्तान की तरफ से इस ड्रोन के जरिए आतंकियों को हथियार भेजे गए थे। इसमें एक अमेरिकी राइफल, दो मैग्जीन और दूसरे हथियार थे। ये कंसाइनमेंट किसी अली भाई के

नाम पर आया था। खबरों के मुताबिक शनिवार की सुबह पांच बजे बीएसएफ की पेट्रोलिंग पार्टी को ड्रोन नजर आया था। यह भारतीय इलाके में ढाई सौ मीटर अंदर था। बीएसएफ के जवानों इसे देखते ही फायरिंग शुरू की और इसे गिरा दिया। इस घटना के थोड़ी देर बाद ही सुबह नौ बजे के करीब पाकिस्तान की तरफ से फायरिंग भी हुई।

डॉयल 112 के पांच कर्मी कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ। आपातकालीन पुलिस सेवा डॉयल ११२ के पांच कर्मी कोरोना पजिटिव मिले हैं। यह कर्मचारी तकनीकी टीम का हिस्सा हैं। डॉयल ११२ की बिल्डिंग को ४८ घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। इसकी वजह से यह सेवा अस्थायी तौर पर प्रभावित रहेगी। बिल्डिंग को सेनिटाइज किया जा रहा है। डयल ११२ के एक कर्मी के पजिटिव पाए जाने के बाद ३० अन्य लोगों का टेस्ट हुआ था। इसमें पांच कर्मी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसके बाद ११२ तकनीकी टीम के सर्वर एरिया बिल्डिंग को ४८ घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। इसकी वजह से यह सेवा प्रभावित रहेगी। कर्मियों से घर से काम करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा प्रयागराज कल सेंटर से आपातकालीन सेवा ली जाएगी। अगर किसी को ११२ आपातकालीन सेवा से सहायता नहीं मिलती है तो वह १०७३ मिलाकर मदद मांग सकते हैं। इस दौरान पुलिस ११२ ट्विटर, फेसबुक के साथ सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव रहेगी। व्हाट्सएप नंबर ७५७००००१०० और ७२३३०००१०० पर भी मदद ली जा सकेगी।

सम्पादकीय

बाल श्रम के संकट में फिर से हो सकती है बढ़ोतरी

संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि कोरोना वायरस महामारी के बीच लाखों बच्चों पर कम उम्र में मजदूरी का खतरा मंडरा रहा है। इस पर गौर करने की जरूरत है, वरना इस कलंक को मिटाने की कई दशकों से की गई कोशिश पर पानी फिर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक साल २००० के बाद यह पहला मौका हो सकता है, जब बाल श्रम के संकट में फिर से बढ़ोतरी दर्ज हो। कहा जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट सही वक्त पर आई है। अभी हकीकत यह है कि महामारी के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो चुकी है, जिस कारण लाखों लोग गरीबी में गिरते जा रहे हैं। ऐसे परिवारों में अपने बच्चों को काम पर भेजने की प्रवृत्ति सहज रूप से बढ़ सकती है। ये हकीकत है कि इस वक्त दुनिया में सिर्फ कोरोना वायरस महामारी की चर्चा है। उसमें पहले से मौजूद या महामारी के कारण खड़ी हो रहीं दूसरी समस्याओं पर उचित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इनमें बाल श्रम का मुद्दा भी है। भारत में बाल श्रम के खिलाफ कानून तो है, फिर भी बाल मजदूरी धड़ल्ले से होती है। मानव तस्कर हो या फिर आपराधिक गुट बच्चों को बाल श्रम में धकेल रहे हैं। ईंट भट्टों, निर्माण कार्यों आदि जैसी जगहों पर बच्चों से काम लिया जाता है। जाहिर है, सरकारी और सामाजिक स्तर पर बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता फैलाने के तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर अब तक अंकुश नहीं लग पाया है। अब कोरोना महामारी से बन रहे हालात में इसमें नया आयाम जुड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संगठन के मुताबिक दुनियाभर में बाल श्रमिकों की संख्या साल २००० में २४ करोड़ ६० लाख थी, जो घट कर सवा १५ करोड़ तक आ गई थी। लेकिन कोरोना महामारी से वो हालत पलट दिए हैं, जिनकी वजह से ये प्रगति हो रही थी। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ के मुताबिक जैसे–जैसे गरीबी बढ़ेगी, स्कूल बंद होंगे और सामाजिक सेवाएं कम होती जाएंगी और अधिक संख्या में बच्चों को बाल श्रम में धकेल दिया जाएगा। भारतीय श्रम कानून के मुताबिक १५ साल से कम उम्र के बच्चों से श्रम कराना गैर कानूनी है। लेकिन स्कूल के बाद वे परिवार के व्यवसाय में हाथ बंटा सकते हैं। इस प्रावधान का पहले ही दुरुपयोग किया जाता रहा है, जिसकी वह से बड़ी संख्या में बाल मजदूर मौजूद रहे हैं। अतः भारत में सरकारों को अधिक सतर्क हो जाने की जरूरत है।

निजी नर्सिंग होम की एम्बुलेंसों की सेवा भी ली जाए : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड–१६ संक्रमण के आपदा काल में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संसाधनों के सर्वाधिक उपयोग के मद्देनजर '१०८, '१०२, एएलएस, निजी नर्सिंग होम की एम्बुलेंस समेत सभी तरह की एम्बुलेंसों की सेवा ली जाए। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संसाधनों के सर्वाधिक उपयोग के मद्देनजर '१०८, '१०२, एएलएस, निजी नर्सिंग होम की एम्बुलेंस समेत सभी तरह की एम्बुलेंस की सेवा प्राप्त की जाए। एम्बुलेंस के कार्मिकों के लिए अनिवार्य रूप से सेनिटाइजर, पीपीई किट, एन–६५ मास्क तथा ग्लव्स आदि की व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित भी किया जाए कि एम्बुलेंस सेवा का रिस्पॉन्स टाइम दस मिनट से अधिक न हो। सीएम योगी ने कहा कि टेस्टिंग

क्षमता में सतत वृद्धि की जाय। प्रत्येक जिले में एक टेस्टिंग लैब की स्थापना का कार्य तेजी से पूरा किया जाए। जून महीने के अन्त तक सभी मेडिकल कॉलेज तथा मण्डलीय चिकित्सालयों में लेवल–२ स्तर की टेस्टिंग लैब स्थापित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एल–१ तथा एल–२ कोविड अस्पतालों में आवश्यकता अनुसार आयुष चिकित्सकों की सेवाएं भी प्राप्त की जाएं। उन्होंने कहा कि कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों में सभी उपकरण दुरुस्त रहने चाहिए। एल–१ कोविड चिकित्सालयों में कुल बेड के सापेक्ष कम से कम दस प्रतिशत बेड अक्सीजन सुविधा युक्त होने चाहिए। इसी प्रकार एल–२ चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की सुविधा वाले बेड के अलावा वेंटीलेटर युक्त कुछ बेड उपलब्ध रहने चाहिए। उन्होंने सभी अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में स्ट्रेचर तथा व्हील चेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समस्त चिकित्सालयों के होल्डिंग एरिया में वृद्धि की जाए। इसके अलावा, अस्पतालों में मरीजों के रजिस्ट्रेशन काउंटर की संख्या भी बढ़ाई जाए।

यूपी सरकार सच्चाई सामने लाने पर करवा रही एफआईआर : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को वाराणसी में एक पत्रकार पर हुई एफआईआर को लेकर सरकार पर निशाना साधा और लिखा कि सच्चाई सामने लाने पर यूपी सरकार पत्रकारों पूर्व अधिकारियों, विपक्ष और अब यहां तक की पत्रकारों पर एफआईआर करवा रही है। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को ट्वीटर के माध्यम से एक वेबसाइट के लिंक को पोस्ट करते हुए लिखा कि "यूपी सरकार एफआईआर करके सच्चाई पर पर्दा नहीं डाल सकती। जमीन पर इस आपदा के दौरान घोर अव्यवस्थाएं हैं। सच्चाई दिखाने से इनमें सुधार संभव है लेकिन यूपी सरकार पत्रकारों पर, पूर्व अधिकारियों पर, विपक्ष पर सच्चाई सामने लाने के लिए एफआईआर

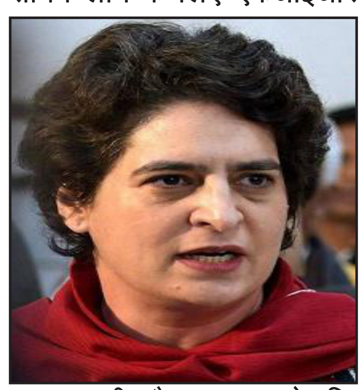

करवा रही है।" ज्ञात हो कि वाराणसी के डोमरी गांव की एक महिला ने एक समाचार पोर्टल के पत्रकार और संपादक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है क्योंकि इनकी एक रिपोर्ट में कथित तौर पर महिला की बातों को गलत ढंग से पेश करने के साथ–साथ उनकी जाति व वित्तीय स्थिति का भी मजाक उड़ाया गया है। कोतवाली के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल ने कहा कि "डोमरी गांव की एक महिला ने पिछले हते राम नगर पुलिस के पास जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर एक नए पोर्टल के मुख्य संपादक और रिपोर्टर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह शिकायत आईपीसी की धारा २६६ (उपेक्षापूर्ण कार्य), ५०१ (मानहानिकारक जानी हुई बात को मुद्रित या उत्कीर्ण करना) और अनुसूचित जाति–जनजाति अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई है। चंदेल ने कहा कि छानबीन के लिए अब उन्हें यह मामला सौंप दिया गया है।"

सत्यापन प्रक्रिया ३० जून तक पूरी नहीं हुई तो बेसिक शिक्षकों का वेतन रोके जाने का आदेश

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात शिक्षकों का डाटा और सत्यापन प्रक्रिया ३० जून तक नहीं पूरी हुई तो शिक्षकों को वेतन रोक दिया जायेगा। बेसिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी इस फरमान के बाद प्रदेश के अधिकांश शिक्षक खौफ में हैं उनका वेतन अगर रूक जायेगा तो क्या होगा। शिक्षकों कहना है कि साल में कितनी छुट्टियां लीं, कब–कब छुट्टियां पड़ीं इसके साथ–साथ बीआरसी स्तर की कई सारी ट्रेनिंग की जानकारियां बीआरसी स्तर पर ही दर्ज होती हैं, शिक्षकों का यह भी कहना है कि उनकी सर्विस बुक भी बीआरसी मौजूद हैं और सभी स्कूल बंद चल रहे हैं इस स्थिति में शिक्षकों के लिए ३० जून डाटा अपलोडिंग के साथ सत्यापन की प्रक्रिया पूरा कर पाना संभव नहीं दिखायी पड़ रहा है। शिक्षकों ने जिला स्तर पर इस संबंध में बेसिक शिक्षा अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपना शुरू कर दिया है। शिक्षकों की मांग है कि उनकी पहले सेवा पुस्तिका की मूल प्रति उपलब्ध करायी जाये तभी सही जानकारी फीड की जा सकती है। राष्ट्रीय शैक्षिक महा संघ की ओर जारी ज्ञापन में कहा गया कि प्रमाणित सेवा पुस्तिका उपलब्ध न होने के कारण शिक्षक अपनी सेवा का समस्त डाटा सही से सत्यापित नहीं कर पा रहे हैं, जैसे पूर्व के अवकाश व अन्य जो सेवा पुस्तिका में उपलब्ध है। बता दें कि निदेशक बेसिक शिक्षा ने पत्र लिखकर सभी बीएसए को निर्देशित किया है कि मानव संपदा पोर्टल पर विवरण का सत्यापन यदि ३० जून २०२० तक पूर्ण नहीं किया गया तो संबंधित शिक्षक का वेतन अवरूद्ध कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर निदेशक के आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों को अपना विवरण मानव संपदा पोर्टल पर खुद चेक करना होगा। इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी है कि वह शिक्षकों को सूचित कर दें कि अपना–अपना ब्योरा ऑनलाइन चेक कर लें ताकि बाद में दिक्कत न हो। निदेशक न कहा कि गूगल फॉर्म के माध्यम से त्रुटियों का निर्धारण कर लें यदि कोई समस्या आती है तो अधिकारी उसका समाधान करें। यदि सत्यापन यदि छूट जाता है और तय समय के बाद पोर्टल लॉक हो जायेगा और शिक्षक इसके लिए खुद उत्तरदायी होंगे, और उनका वेतन रूक सकता है। शिक्षकों की जो भी समस्या है, उसका समाधान करने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गये हैं, यदि मुझ तक कोई शिकायत आती है तो समस्या का समाधान किया जायेगा।–डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह।

यूपी एसटीएफ ने ५२ चाइनीज ऐप्स को तुरंत हटाने का निर्देश दिया

लखनऊ। भारत की सीमा पर चीन की नापाक हरकत का जवाब देने के क्रम में देश में चीन उत्पादों का विरोध शुरू हो गया है। यूपी पुलिस ने इसके खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ाहै। एसटीएफ के आईजी अमिताभ यश ने विभाग के सभी कर्मियों से अपने मोबाइल से चीन के ऐप्स हटाने का निर्देश दिया है। अमिताभ यश ने विभाग के सभी कर्मियों को चीन के ५२ ऐप्स हटाने के निर्देश देने के साथ सूची भी जारी की है। उनका मानना है कि इन ऐप्स के प्रयोग से डेटा चोरी हो सकता है। इससे पहले देश के गृह मंत्रालय इन ५२ ऐप्स को इस्तेमाल न करने की सलाह दी थी। केंद्र सरकार की सलाह के क्रम में स्पेशल टास्क फोर्स के महानिरीक्षक अमिताभ यश ने यह निर्देश दिया है। इस आदेश में कहा गया है कि सभी अपने व परिवारजनों के मोबाइल से एंड्राइड चाइनीज ऐप्स तत्काल हटा दें। अधिकारियों का कहना है कि चाइनीज डेवलपर्स की ओर से तैयार या चाइनीज लिंक्स वाले ऐप का इस्तेमाल स्पाइवेयर या अन्य नुकसान पहुंचाने वाले वेयर के रूप में हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को जो लिस्ट भेजी है उसमें टिकटॉक, यूसी ब्राउजर, एक्सएंडर, शेयर इट और क्लीन मास्टर जैसे एप शामिल हैं। इस निर्देश के बाद अब मोबाइल में टिकटॉक, यूसी ब्राउजर जैसे कथित चीनी ऐप को डिलीट किया जाएगा।

श्रमिकों को रोजगार देने के लिए योगी सरकार करेगी करियर काउंसिलिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रवासी श्रमिक और कामगारों को रोजगार मुहैया कराने के लिए हर स्तर की तैयारी हो रही है। इसके लिए योगी सरकार ने तय किया है कि श्रमिकों को योग्यता के अनुसार रोजगार देने के लिए उनकी करियर काउंसिलिंग हो। इस कार्य के लिए हर जिले में हेल्प डेस्क और मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। इस सबंध में मुख्य सचिव आरके तिवारी ने शासन–प्रशासन के अधिकारियों को एक पत्र जारी किया है। जिसमें प्रवासी श्रमिकों की करियर काउंसिलिंग और हेल्प डेस्क के संचालन की नियमित निगरानी के लिए जिला स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति गठित कराई जाएगी। इस समिति में जिला रोजगार सहायता अधिकारी सदस्य सचिव, जबकि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य, जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक, उपायुक्त उद्योग, संबंधित खंड विकास अधिकारी और रोजगार योजनाओं से संबंधित विभागों के अन्य जिलास्तरीय अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। तिवारी ने बताया है कि जिला स्तर पर विकास भवन और विकास खंड स्तर पर खंड विकास अधिकारी कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। हेल्प डेस्कों पर विभिन्न विभागों के कार्यक्रम व योजनाओं की जानकारी देने के लिए सीडीओ द्वारा विभागीय अधिकारियों को नामित किया जाएगा। मुख्य सचिव आरके तिवारी के आदेश में कहा गया है कि खंड विकास अधिकारी प्रवासी श्रमिकों को अपने कार्यालय पर आमंत्रित कर शारीरिक दूरी का ध्यान रखते हुए करियर काउंसिलिंग कराएंगे। जो श्रमिक अपने कार्यस्थल पर वापस लौटना चाहते हैं, उनकी भी मदद जिलास्तरीय हेल्प डेस्क करेगी। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों के लिए सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर एक नई एप्लीकेशन सेवामित्र विकसित कराया गया है, अकुशल–कुशल श्रमिकों का डाटा अपलोड कर दिया गया है। यह डाटा अभी असत्यापित है। काउंसलिंग के समय जिला रोजगार सहायता अधिकारी–सहायक निदेशक खंड विकास कार्यालय में कम्प्यूटर स्थापित कराकर इन श्रमिकों की सूचनाओं का सत्यापन भी करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा विकसित 'आभा' एप को भी एंड्राइड फोन धारक श्रमिकों को डाउनलोड कराया जाए

भाजपा पहली वर्चुअल रैली को ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी पहली वर्चुअल रैली को ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। पहली रैली जो कि २१ जून को पश्चिमांचल से शुरू हो रही है। इसमें खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव शामिल होंगे। इसमें दस लाख से अधिक लोगों को जोड़ने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। प्रदेश के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने बताया, "भाजपा का संपर्क संवाद कार्यक्रम सफल है। इससे कार्यकर्ता उत्साहित हैं। मोदी सरकार २ के पहले कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए २१ जून को पहली जनसंवाद रैली होने जा रही है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा शामिल होंगे। इसमें पश्चिम और ब्रज क्षेत्र के लोग शामिल होंगे। इसका संचालन लखनऊ से भाजपा मुख्यालय से होगा। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद रहेंगे। रैली में १० लाख से अधिक लोग

शामिल कराने के लिए मोबाइल से लिंक भेजकर आमंत्रित किया जाएगा।" उन्होंने बताया, "इसके अलावा प्रत्येक बूथ पर ५० लोग अपने परिवार के साथ इसके लाइव प्रसारण को देखेंगे। आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए इसे सोशल मीडिया के समस्त प्लेटफर्म पर प्रसारित किया जाएगा। महिलाओं और नौजवानों को इससे जोड़ने की तेजी से कवायद की जा रही है।" पश्चिमांचल के बाद २४ जून को पूर्वांचल की वर्चुअल रैली होगी। इसमें काशी व गोरखपुर क्षेत्र को शामिल किया गया है। पूर्वांचल की रैली को केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर संबोधित करेंगे। इसके बाद २७ जून को प्रस्तावित मध्यांचल की जनसंवाद रैली को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी संबोधित करेंगी। इसमें अवध व कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र को शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह और संगठन महामंत्री सुनील बसंल ने इसकी तैयारियों को लेकर कई प्रकार की बैठकें भी की हैं। फेसबुक, यू–ट्यूब व ट्विटर सहित अन्य डिजिटल माध्यमों से सीधे प्रसारित होने वाली रैलियों के लिए नेटवर्किंग कार्य भी हो चुका है। संक्रमण बचाव के उपायों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला व क्षेत्रीय पदाधिकारियों को सक्रिय करते हुए मोर्चा व प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं को भी रैलियों के प्रसारण में सहयोग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जेहाद के लिए लोगों को प्रेरित करने वाला बरेली से गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (यूपीएटीएस) ने सोशल मीडिया पर जेहाद के लिए लोगों को प्रेरित करने वाले एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को बरेली से गिरफ्तार किया है। एटीएस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त हुई थी कि बरेली निवासी मो० शोएब उर्फ अबु मुहम्मद अल हिंदी नाम का एक व्यक्ति पूर्ण रूप से रेडिकलाइज्ड है और युवकों को प्रेरित करके आतंकवादी संगठन के लिए रिक्रूट करने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना की जांच करने पर एटीएस को पता चला कि उक्त व्यक्ति वास्तव में मुहम्मद इनामुल हक निवासी–डा रियाज कॉलोनी, नियर–तिलक इंटर कॉलेज, कटघर बरेली का है। उन्होंने बताया कि एटीएस द्वारा की गयी पूछताछ में तथा उसकी सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्सएप, टेलीग्राम आदि) की तमाम गतिविधियों के विश्लेषण से प्रकाश में आया कि इनामुल जेहादी विचार धारा से प्रभावित है। साथ ही वह अन्य व्यक्तियों को भी जेहाद के लिए उत्प्रेरित करने तथा उन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित करने आदि की बात कर रहा है। इनामुल के मोबाइल में प्रतिबंधित संगठन अल–कायदा द्वारा प्रकाशित साहित्य भी मिला है। प्रवक्ता ने बताया कि इस सम्बन्ध में यूपी एटीएस ने लखनऊ के एटीएस थाने में मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को १६ जून को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर १० दिवस का पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर लेने के लिए स्वींत कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में इनामुल द्वारा जेहाद के प्रति अपने लगाव की तथा जेहाद के लिए अन्य लोगों को उत्प्रेरित करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि रिमांड पर लेकर इस व्यक्ति के सोशल मीडिया खातों का विश्लेषण किया जाने के अलावा इसके अन्य साथियों का पता लगाना है। इसके पास से एक मोबाइल फोन दो सिमकार्ड बरामद की गई है।

श्रमिकों के लिए हजार बार जेल जाने को तैयार हूँ अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा कि भाजपा की गरीब विरोधी मानसिकता साफ हो गयी है। मजदूरों की सेवा करने, उन्हें सुरक्षित लाने की पहल करने पर जेल भेजा जाता है। फर्जी मुकदमें दर्ज किए जाते हैं लेकिन भाजपा देश विरोधी, गरीब–मजदूर विरोधी नीतियों और तानाशाही के दम पर हमारा सेवा कार्य नहीं रोक सकती। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को योगी आदित्यनाथ की बर्बर सरकार ने २० मई से जेल में डाल रखा था। १७ जून को शाम ७ बजकर १५ मिनट पर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को जेल से रिहा किया गया। रिहा होने के बाद श्री अजय कुमार लल्लू हजरतगंज स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और लौहपुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के पहले सीमा पर शहीद हुए जवानों के लिए मौन रखा गया। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एकजुटता सीमा पर लड़ रहे जवानों के साथ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ३६ घण्टे चुप क्यों रहें? देश जानना चाहता है कि आखिर किसके आदेश पर हमारे देश के जवानों की यूनिट को निहत्थे भेजा गया था? प्रदेश अध्यक्ष ने शहीद हुए जवानों के परिवारों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने पैदल चल रहे प्रवासी श्रमिकों के लिए बसें चलवाने की अनुमति मांगी लेकिन सरकार ने अपनी गरीब विरोधी मानसिकता का परिचय दिया और मजदूरों की सेवा में लगे हमारे नेताओं के ऊपर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया। मुझे जेल भेज दिया गया। लेकिन योगी आदित्यनाथ की सरकार भूल गयी है हम अंग्रेजों से लड़ें हैं। आप जैसे तानाशाह, गरीब विरोधी और अहंकारी हमें मानवता की सेवा

करने से नहीं रोक पाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती है कि गरीबों को राहत मिल पाए। उन्होंने कहा कि मैं मजदूर रहा हूँ। मैंने गुड़गांव में खुद मजदूरी की है। मैं श्रमिकों का दर्द समझता हूँ। मैं उनके पैरों के छालों का दर्द महसूस कर सकता हूँ। मैं उनकी भूख को समझ सकता हूँ, उनकी हर बेबसी से मैं वाकिफ हूँ। योगी आदित्यनाथ जी कान खोलकर सुन लीजिए अपने श्रमिक भाई–बहनों के लिए सौ बार जेल जाने को तैयार हूं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस कायर और गरीब विरोधी सरकार ने मुझे २७ दिनों तक जेल में रखा। मुझे अपने वकील तक से नहीं मिलने दिया। मुझे इस बात की परवाह नहीं है। मुझे सिर्फ इस बात की फिक्र थी कि सड़कों पर हजारों की तादाद में लोग पैदल चल रहे होंगे। उनके पांव में छाले पड़ गए होंगे। मुझे इस बात की चिंता थी लोगों तक खाना कैसे पहुंच रहा होगा। मुझे यह बात परेशान कर रही थी कि जो लोग परदेश में हैं, उनकी मदद कैसे हो रही होगी। जो बीमार हैं उन तक दवा कैसे पहुंच रही होगी। उन्होंने कहा कि आज इस प्रेसवार्ता में आपको बताते हुए मुझे अपने एक एक कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं पर बहुत गर्व हो रहा है। मेरे बहादुर साथियों ने सेवा के सत्याग्रह को रुकने नहीं दिया। मेरे लिए यह पल बहुत ही भावुक कर देने वाला है कि हमारी पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी जी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में १ करोड़ १५ लाख लोगों तक भोजन और राशन का बंदोबस्त किया गया। १० लाख से अधिक लोगों की बाहर दूसरे प्रदेशों में मदद हुई है। मेरी रिहाई के लिए पार्टी ने सेवा सत्याग्रह आंदोलन किया और हर जिले में रसोईघर चलाकर जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मैं तमाम कांग्रेसजनों और प्रदेश की इंसाफ पंसद आवाम से कहना चाहता हूं कि इस सत्य की लड़ाई में आप हमारा साथ दिया। आप सभी का बहुत बहुत आभार।

भारत में चार लाख से ज्यादा कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या चार लाख से ज्यादा हो गई है। साथ ही वायरस के संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़ कर १३ हजार से ऊपर पहुंच गई है। संक्रमितों की संख्या तीन से चार लाख पहुंचने में दस दिन से कम समय लगा है। पिछले कई दिनों से औसतन १३ से १४ हजार नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। राजधानी दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक संक्रमितों की संख्या का नया रिकार्ड बन रहा है। शनिवार को तमिलनाडु में रिकार्ड संख्या में संक्रमित आए। शनिवार को देर शाम तक तमिलनाडु में २,३६६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ५६ हजार ८४५ हो गई। देर शाम तक दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों के आंकड़े अपडेट नहीं किए गए थे। पिछले कई दिनों से ऐसा हो रहा है कि ज्यादातर राज्यों के आंकड़े देर रात तक अपडेट नहीं हो पा रहे हैं। इसके बावजूद शनिवार की देर शाम तक साढ़े पांच हजार से ज्यादा केसेज आए थे, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या चार लाख से ऊपर पहुंच गई। सभी राज्यों के आंकड़े आने के बाद संख्या १३ से १४ हजार तक पहुंच सकती है। शनिवार की शाम तक अपडेट हुए आंकड़ों के मुताबिक ६२ लोगों के मरने की खबर थी, जिसके बाद देश में मरने वालों का आंकड़ा १३ हजार से ऊपर चला गया। देश में कोरोना के संक्रमण से मरने वालों का औसत

तीन से चार सौ के बीच रहता है। महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली, तमिलनाडु, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक जैसे राज्यों में मरने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। गुजरात में शनिवार को ५३६ नए मामले आए और २० लोगों की मौत हुई। राज्य में संक्रमितों की संख्या २६,७३७ हो गई है। देश में दूसरे सबसे ज्यादा संक्रमित तमिलनाडु में शनिवार को ३८ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की कुल संख्या ७०४ हो गई है। शनिवार को आंध्र में ४६१ मामले आए, जिसके बाद वहां संक्रमितों की संख्या साढ़े आठ हजार के करीब पहुंच गई। राज्य में शनिवार को पांच लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या १०१ हो गई। दक्षिण भारत के राज्यों में कर्नाटक में नौ लोगों के मरने की खबर आई। बिहार में शनिवार को ६० मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ७,३८० हो गई। हरियाणा में १०६ नए मामले आए। वहां संक्रमितों की संख्या ६,८५२ हो गई है। कर्नाटक में ४१६ नए मामले आए और नौ लोगों की मौत हुई। राज्य में मरने वालों की संख्या १३२ पहुंच गई है। इसके अलावा जम्मू कश्मीर में १५४, केरल में १२७, लद्दाख में ६२, मध्य प्रदेश में १४२ और ओड़िशा में १७६ मामले आए। ये आंकड़े कोविड१९इंडिया डॉट ओआरजी के आंकड़ों पर आधारित हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार की देर शाम तक कुल संक्रमितों की संख्या तीन लाख ६५ हजार ४७ थी, जिसमें से १२,६४८ लोगों की मौत हो चुकी है।

लॉकडाउन आपातकाल की तरह नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि लॉकडाउन की तुलना आपातकाल से नहीं की जा सकती और लॉकडाउन के दौरान किसी अभियुक्त के स्वतरू जमानत का अधिकार खत्म नहीं होता। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को निरस्त कर दिया जिसमें उसने एक अभियुक्त को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १६७(२) के तहत निर्धारित समय सीमा के अंदर आरोप पत्र न दायर किये जाने के बावजूद स्वत: जमानत के अधिकार से वंचित कर दिया था। खंडपीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति वी रमासुब्रमण्यन भी शामिल हैं। उच्च न्यायालय ने फैसले में कहा था कि लॉकडाउन, आपातकाल की घोषणा के समान है और इस दौरान ६० दिन और ६० दिन की समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल न करने पर भी आरोपी स्वतरू जमानत के अधिकार का दावा नहीं कर सकता, लेकिन शीर्ष अदालत ने इस फैसले को निरस्त करते हुए कहा कि सीआरपीसी की धारा १६७(२) के प्रावधानों के तहत अपराध में सजा के प्रावधान के हिसाब से ६० दिन और ६० दिन की निर्धारित समय सीमा के अंदर अदालत में आरोप पत्र दाखिल न करने पर आरोपी को जमानत पाने का पूरा अधिकार है। शीर्ष अदालत ने आपातकाल के दौरान एडीएम जबलपुर के मामले का जिक्र करते

हुए कहा कि उस मामले में दिया गया उसका फैसला प्रतिगामी था। उल्लेखनीय है कि १६७६ के एडीएम जबलपुर के मामले में उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने चार-एक के बहुमत के फैसले में माना था कि अनुच्छेद २१ में ही लोगों के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार सन्निहित हैं। जब अनुच्छेद २१ निलंबित दशा में हो तो किसी भी व्यक्ति का जीवन और उसकी स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाते हैं।

मोदी के बयान पर प्रियंका का कड़ा हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीनी सेना के भारतीय

सीमा में घुसपैठ नहीं करने संबंधी बयान पर हिंदी के मशहूर कवि गोरख पांडे की कविता को उद्धृत करते हुए तीखा हमला किया है। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि चीनी सेना को लेकर जो झूठ मोदी जो बोल रहे हैं उनकी पूरी टीम अपने पुराने बयानों की परवाह किये बिना उसी झूठ को दोहरा रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने गोरख पांडे की कविता की ये पंक्तियां उद्धृत की है- राजा बोला रात है, रानी बोली रात है, मंत्री बोला रात है, संतरी बोला रात है, यह सुबह सुबह की बात है-- गौरतलब है कि मोदी ने चीन सीमा पर विवाद को लेकर बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक में कहा था कि चीन ने भारतीय सीमा पर कब्जा किया है और ना ही उसने किसी चौकी को कब्जाया है।

बिहार में शुरू गरीब कल्याण रोजगार अभियान

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत की है। वैसे तो यह अभियान छह राज्यों में चलेगा पर इसे बिहार से शुरू किया गया है, जहां साल के अंत में चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को इस अभियान की शुरुआत बिहार के खगड़िया जिले के तेलिहार गांव से की। कोरोना वायरस की वजह से बड़े शहरों के लौटे मजदूरों को अपने गांव में ही काम देने के मकसद से यह योजना शुरू की गई है। इसके लिए सरकार ने ५० हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस योजना की शुरुआत करते हुए अपने भाषण में सबसे पहले लद्दाख में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने मजदूरों की ओर इशारा करते हुए कहा- जब कोरोना महामारी का संकट बढ़ना शुरू हुआ तो आप सभी लोग राज्य और केंद्र सरकार की चिंताओं में बने हुए थे। हमने अपने श्रमिक भाई बहनों के लिए स्पेशल ट्रेन भी चलाई। कोरोना का इतना बड़ा संकट, जिसके कारण दुनिया सहम गई, लेकिन आप डटकर ठहर गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के गांवों ने कोरोना का जिस तरह मुकाबला किया है उसने शहरों को भी सबक दिया है। उन्होंने कहा- कोरोना संक्रमण को गांव के लोगों ने बहुत ही प्रभावी तरीके से रोका है। उन्होंने आगे कहा- आज गरीब के कल्याण के लिए, उसके रोजगार के लिए बहुत बड़ा अभियान शुरू हुआ है। यह हमारे श्रमिक भाई-बहनों के लिए गांव में रहने वाले नौजवानों को समर्पित हैं। इनमें वे लोग शामिल हैं, जो लकडाउन में अपने गांव लौटे हैं। मोदी ने कहा- मैंने उत्तर प्रदेश की एक खबर देखी। वहां कुछ श्रमिक क्वारैंटाइन में रखे गए थे। इन्हें रंगाई-पुताई और पीओपी के काम में महारत थी। उन्होंने सोचा कि पड़े रहेंगे, इससे कुछ हुनर का इस्तेमाल करें। उन्होंने स्कूल को रंगाई-पुताई करके बढ़िया बना दिया। इसने मेरे मन को प्रेरणा दी। तभी इस योजना का आइडिया आया। उन्होंने कहा- इसके तहत अलग-अलग गांव में कहीं गरीबों के लिए पक्के घर भी बनेंगे। कहीं शेड बनाए जाएंगे। कहीं जल-जीवन मिशन को आगे बढ़ाया जाएगा। कहीं जरूर है, सड़कों के निर्माण पर भी उतना ही जोर दिया जाएगा।

बार-बार बदलता क्वरैंटाइन नियम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमितों को अनिवार्य रूप से सरकारी क्वरैंटाइन सेंटर में रखने के शुक्रवार को आदेश के बदल दिया गया है। संक्रमितों को क्वरैंटाइन करने के नियम में तीसरी बार बदलाव किया गया है। इस बदलाव के बाद अब बिना लक्षण वाले या मामूली लक्षण वाले मरीजे घर पर ही क्वरैंटाइन रह सकेंगे और किसी मरीज को सरकारी क्वरैंटाइन में रखने का फैसला क्लीनिकल विश्लेषण के बाद किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को उप राज्यपाल अनिल बैजल ने जांच के बाद संक्रमित पाए जाने वाले हर व्यक्ति को अनिवार्य रूप से पांच दिन के लिए सरकारी क्वरैंटाइन में रखने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार के विरोध के बाद उप राज्यपाल ने इसे शनिवार को वापस ले लिया। उप राज्यपाल ने शनिवार को ट्विट कर कहा- सिर्फ वैसे कोरोना पॉजिटिव मरीज, जिन्हें जांच के बाद अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत तो नहीं है लेकिन उनके पास घर में लग रहने की व्यवस्था नहीं है, उन्हें क्वरैंटाइन सेंटर जाना होगा। गौरतलब है कि शनिवार को हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डीडीएमए की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उप राज्यपाल के आदेश का पुरजोर विरोध किया। केजरीवाल ने कहा कि जब इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, आईसीएमआर पूरे देश में बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोरोना मरीजों को होम आइसोलेशन की इजाजत देता है तो दिल्ली में अलग नियम क्यों? केजरीवाल के विरोध के चलते बैठक बीच में ही रोकनी पड़ी थी।

कासगंज में एक और फर्जी शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज में चर्चित अनामिका शुक्ला के बाद एक और फर्जी शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गयी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अंजलि अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि कासगंज में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय राना मऊ में एक और फर्जी शिक्षिका का मामला आया सामने आया है। उन्होंने बताया कि मैनपुरी जिले में भौगाव क्षेत्र के मोहल्ला चौधरी निवासी लक्ष्मी फर्जी शैक्षिक अभिलेखों के आधार पर जून २०१६ से कासगंज के अमापुर क्षेत्र के राना मऊ में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कार्यरत है। वह फुल टाइम विज्ञान टीचर के रूप में कार्यरत है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि फर्जी शिक्षिका के खिलाफ अमापुर थाने में एफआईआर करायी गयी है।

क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठें राहुलः अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत–चीन सैन्य झड़प मामलें में सरकार पर आरोप लगाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें क्षुद्र राजनीति से उपर उठकर राष्ट्र हित में एकजुटता दिखानी चाहिए। शाह ने इस झड़प में घायल हुए सेना के एक जवान के पिता का वीडियो ट्विट में डाला है और सरकार पर आरोप लगाने के लिए गांधी की आलोचना करते हुए कहा है कि बहादुर जवान के पिता ने गांधी को स्पष्ट संदेश दिया है। जब समूचा राष्ट्र एकजुट है तो गांधी को भी ऐसे में क्षुद्र राजनीति से उपर उठकर राष्ट्र हित में एकजुटता दिखानी चाहिए।

इस वीडियो में जवान के पिता कह रहे हैं कि भारतीय सेना चीन की सेना को हरा सकती है और राहुल गांधी को इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि उनका बेटा ठीक होने के बाद फिर से देश के लिए लड़ेगा। गृह मंत्री का यह ट्विट कांग्रेस नेता द्वारा शुक्रवार को डाले गये उस वीडियो के बाद आया है जिसमें एक पिता पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिकों पर हमले के बारे में बता रहे हैं। दोनों देशों के सैनिकों के बीच सोमवार रात गलवान घाटी क्षेत्र में हुई झड़प में २० सैनिक शहीद हो गये थे जिनमें बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग असफर भी शामिल थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार झड़प में चीन के भी करीब ४० सैनिक हताहत हुए हैं।

वायु सेना हर स्थिति के लिए तैयार

हैदराबाद। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर चल रहे तनाव के बीच लेह और श्रीनगर के एयरबेस का दौरा करके लौटे वायु सेना प्रमुख ने कहा है कि वायु सेना किसी भी स्थिति से निपटने के तैयार है। एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने शनिवार को कहा कि वायु सेना लक्ष्य पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि वायु सेना उपयुक्त जगह पर तैनात है। हैदराबाद के डुंडीगल में वायु सेना अकादमी, एएफए में कम्बाइंड ग्रेजुएशन परेड, सीजीपी में वायु सेना प्रमुख ने कहा– वायु सेना लक्ष्य पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और वह लद्दाख की गलवान घाटी में हमारे शूरवीरों

के बलिदान को कभी व्यर्थ नहीं जाने देगी। उन्होंने कहा– यह बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि हम पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए उपयुक्त जगह पर तैनात हैं। एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने कहा– हमारे क्षेत्र में सुरक्षा परिदृश्य हमारे सशस्त्र बलों को हर समय तैयार और सतर्क रहने को कहता है। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति इस बात का छोटा सा नजारा है कि बेहद कम समय में स्थिति से निपटने के लिए हमें की क्या करने की जरूरत है। उन्होंने कहा– सैन्य वार्ता के दौरान हुए समझौतों के बाद चीन की अस्वीकार्य कार्रवाई और उसकी वजह से जान के नुकसान के बावजूद सभी प्रयास यह सुनिश्चित करने के लिए किए जाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मौजूदा स्थिति शांतिपूर्ण तरीके से हल हो जाए।

भारत–नेपाल रिश्ते दुरुस्त करने में तुरुप का पत्ता साबित होंगे योगी!

गोरखपुर। चीन से तनातनी के बीच मौजूदा समय में नेपाल–भारत रिश्तों की अनदेखी नहीं कि जा सकती है। लेकिन चिंता का विषय यह है कि चीन के दबाव में आकर नेपाल ने सदियों पुराने रोटी–बेटी के रिश्तों को दरकिनार कर दिया है। बावजूद इसके गोरखनाथ मंदिर और आम जनमानस के मधुर रिश्तों से दोनों देशों के पुराने रिश्तों में रवानगी लाई जा सकती है। इसे दुरुस्त करने को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं। बता दें कि योगी ने हाल ही में नेपाल को आगाह किया था कि उसे अपने देश की राजनैतिक सीमाएं तय करने से पहले तिब्बत के हश्र को याद रखना चाहिए। इस बात पर नेपाली प्रधानमंत्री ओली काफी नाराज थे और इसे राजनैतिक तूल देकर एक ऐतिहासिक भूल करते हुए योगी को ही नसीहत दी थी। नेपाल शोध अध्ययन केन्द्र के निदेशक डा. प्रदीप राव ने आईएएनएस को बताया, नाथपंथ और नेपाल का संबंध सांस्कृतिक–धार्मिक स्तर पर काफी महत्वपूर्ण है। महायोगी गोरखनाथ नेपाल के राजगुरू रहे। नेपाल की मुद्राओं पर गोरखनाथ के नाम का अंकन है। पहले उस पर उनकी चरण पदुकाएं अंकित रहती थी, अब पृथ्वीनाथ की कटार

अंकित है। यह नेपाली मुद्रा पर आज भी है। किसी भी राष्ट्र की मुद्रा उसकी प्रतीक होती है। जैसे भारत में आशोक चक्र और महात्मा गांधी हैं, ठीक वैसे ही नेपाल की मुद्रा पर गोरखनाथ और नाथपंथ से जुड़े प्रतीक आज भी अंकित हैं। यह जनमानस में रचा बसा है। वहां की कम्युनिस्ट सरकार भी उनका प्रतीक नहीं हटा पाई। हम आज तक इसका उपयोग भारत नेपाल के संबंध में नहीं कर पाएं, नहीं तो आज यह स्थिति न होती है। गोरखनाथ को केन्द्र में रखकर यदि भारत नेपाल सांस्कृतिक विरासत की बात करेंगे तो बिना गोरखनाथ मंदिर के यह कैसे संभव है। नेपाल की जनता गोरखनाथ के पीठाधीश्वर को आज भी गोरखनाथ का प्रतिनिधि मानती है। गौरतलब है कि नाथपंथ और नेपाल के रिश्ते हजारों वर्ष पुराने हैं। महायोगी गोरखनाथ जी द्वारा प्रवर्तित नाथपंथ के प्रभाव से पूर्व नेपाल में योगी मत्स्येन्द्रनाथ की योग परम्परा का प्रभाव दिखायी देता है, जिन्हें नेपाल के सामाजिक जनजीवन में अत्यंत सम्मान प्राप्त है। इसकी झलक नेपाली समाज में प्रसिद् मत्स्येन्द्र–यात्रा–उत्सव के रूप में मिलती है। गुरु गोरक्षनाथ के प्रताप से गोरखा राष्ट्र, जाति, भाषा, सभ्यता एवं संस्कृति की प्रतिष्ठा हुई। शाह राजवंश के सभी नरेशों ने गुरु गोरखनाथ को अपना इष्टदेव स्वीकारा। नेपाल के शाहवंशी शासकों ने अपने सिक्कों पर गुरु गोरखनाथ की चरण पादुकाओं का चिह्न अंकित कराया।

पीएम के कहे पर पीएमओ की सफाई

नई दिल्ली। आमतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसी बयान पर सफाई देने का चलन नहीं रहा है पर चीन के मसले पर सर्वदलीय बैठक में दिए गए प्रधानमंत्री के बयान पर शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय, पीएमओ ने सफाई जारी की। असल में सर्वदलीय बैठक में शुक्रवार को मोदी ने कहा था कि लद्दाख में कोई भी भारतीय सीमा में नहीं घुसा और किसी भी पोस्ट पर किसी ने कब्जा नहीं किया है। इस बयान पर कांग्रेस सहित विपक्ष के कई नेताओं सवाल उठाए हैं। इस पर पीएमओ की ओर से सफाई दी गई है, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएसी पर भारतीय सीमा में चीनी सेना की कोई मौजूदगी न होने वाली टिप्पणियां सैनिकों की वीरता के बाद के हालात से जुड़ी हैं। बयान में कहा गया है कि सैनिकों के बलिदानों ने ढांचागत निर्माण और १५ जून को गलवान में अतिक्रमण की चीन की कोशिशों को नाकाम कर दिया। पीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी ने जो कहा है उस पर जान बूझकर गलत धारणा फैलाई जा रही है। इसमें कहा गया है– जहां तक एलएसी पर अतिक्रमण की बात है तो साफ कहा गया है कि गलवान में १५ जून को जो हिंसा हुई उसके पीछे चीनी सेना की ओर से एक निर्माण की कोशिश थी और जब उनको मना किया गया तो वो पीछे हटने को तैयार

नहीं हुए। इसके बाद सैनिकों के साथ हिंसक झड़प हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सर्वदलीय बैठक में कही बातों का पूरा ब्यौरा भी जारी किया गया है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि लद्दाख में भारत की सीमा में न कोई घुसा हुआ है और न ही हमारी कोई चौकी किसी दूसरे के कब्जे में है। इस पर कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों ने कई सवाल उठाए और पूछा कि जब चीनी सैनिक भारत की सीमा में नहीं घुसे तो हिंसक झड़प कैसे हुई। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री के बयान से लग रहा है कि उन्होंने भारत की जमीन चीन को सौंप दी।

चीन मुद्दे पर भटकाने वाला मोदी का बयान : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि चीनी कब्जे को लेकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का बयान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा सेना प्रमुख के वक्तव्यों के विपरीत और भटकाने वाला है इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भ्रमित करने की बजाय देश को हकीकत बतायी जानी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदम्बरम तथा पार्टी संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीनी कब्जे को लेकर सर्वदलीय बैठक में दिये गये प्रधानमंत्री के बयान ने पूरे देश को हक्का बक्का कर दिया है। मोदी का यह बयान रक्षा मंत्री तथा विदेश मंत्री के बयानों के विपरीत ही नहीं है बल्कि सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की टिप्पणी के भी विपरीत है। यह भ्रम फैलाने वाला बयान है और इस तरह के वक्तव्य देकर चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर देश को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के इस बयान के बाद चीन ने फिर कहा है कि लद्दाख क्षेत्र की पूरी गलवान घाटी उसकी है। यह अत्यंत आपत्तिजनक बयान है और मोदी तथा उनकी सरकार को इस बारे में आज ही चीन को जवाब देना चाहिए। इस संबंध में कल तक का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए और चीन को आज शाम तक ही इस सवाल का जवाब देने के साथ ही देश को हकीकत बतायी जानी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से सवाल किए कि चीनी सेना ने अगर भारतीय सीमा में घुसपैठ नहीं की थी तो पांच तथा छह जून को भारतीय और चीनी सेना के अधिकारियों के बीच किस मुद्दे पर आपसी चर्चा हुई। चीनी सेना ने भारतीय भूभाग पर यदि कब्जा नहीं किया तो विदेश मंत्री ने यथावत स्थिति बनाए रखने की मांग क्यों और किससे की तथा उनके इस बयान का क्या मतलब है।

एक बार फिर चीन ने गलवान घाटी पर अपना दावा किया

बीजिंग। चीन ने एक बार फिर गलवान घाटी पर अपना दावा किया है। शुक्रवार देर रात उसने फिर गलवान घाटी को अपना बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाऊ लिजियन ने कहा कि गलवान घाटी चीन का हिस्सा है और वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएससी से चीन की तरफ है। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक यहां पर जबरन रोड और पुल बना रहे हैं। पूर्वी लद्दाख के कई सेक्टर में दोनों देशों के बीच चल रही तनातनी के दौरान चीन के अलग–अलग अधिकारियों ने चार दिन में पांचवीं बार कहा कि १५ जून की शाम को भारतीय सैनिकों ने समझौते को तोड़ते हुए जान बूझकर एलएसी को पार किया और चीन के सैनिकों पर हमला किया। लिजियन ने कहा कि १५ जून की घटना के लिए भारत जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के चीनी हिस्से में आता है। कई सालों से वहां चीनी गार्ड गश्त कर रहे हैं और अपनी ड्यूटी निभाते हैं। इस बीच नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार शाम इस पर जवाब देते हुए कहा कि मई की शुरुआत से चीन भारत की सामान्य गश्त में बाधा डाल रहा है। इसी वजह से विवाद की स्थिति बनी। विदेश मंत्रालय ने कहा– हम इस बात को नहीं मानते हैं कि भारत सीमा पर एकतरफा कोई कदम रहा था। हम तो इसे मेंटेन कर रहे थे। भारत ने कहा कि गलवान पर चीन के दावे का कोई आधार नहीं है।

राजधानी में आठ गुना बढ़ गए कंटेनमेंट जोन

लखनऊ। लॉकडाउन–४ खत्म होने के बाद एक जून से अनलॉक–१ का आगाज हो गया। इसके बाद कंटेनमेंट जोन (हॉटस्पॉट) की सूची में तेजी से इजाफा होने लगा। इसकी वजह अनलॉक–१ में बरती जा रही लापरवाही है। इसके चलते तेजी से कोरोना मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। सरकार की ओर से यह तय किया गया कि हॉटस्पॉट की जगह एक जून से अब कंटेनमेंट जोन बनाए जाएंगे। साथ ही पूरी इलाके को सील नहीं करके सिर्फ सीमित क्षेत्र को बैरिकेड किया जाएगा। लॉकडाउन–४ खत्म होने तक कंटेनमेंट जोन की संख्या चार तक ही सीमित थी। जबकि शुक्रवार को पांच नए कंटेनमेंट जोन बनने के साथ अब यह संख्या ३२ तक पहुंच चुकी है। जोकि पहले की अपेक्षा आठ गुना है। किसी क्षेत्र में मरीजों की संख्या तीन या उससे अधिक होने पर

संबंधित बिल्डिंग या एरिया को बैरिकेड कर दिया जाता है। इसके बाद इलाके के सभी संदिग्धों की सैंपलिंग कराई जाती है। क्षेत्र में सैनिटाइजेशन भी कराया जाता है। अगले १४ से २१ दिनों तक कोई नया केस नहीं आने पर इसे कंटेनमेंट जोन की सूची से बाहर कर दिया जाता है। सीएमओ के प्रवक्ता योगेश रघुवंशी ने बताया कि कि कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने के चलते शुक्रवार को अजयनगर कमता, मनोहर नगर ठाकुरगंज, पार्क रोड, विराटखंड व राप्ती इंक्लेव अवध विहार समेत पांच नए कंटेनमेंट जोन बनाने का प्रस्ताव प्रशासन को दिया गया है। जबकि प्रसादी खेड़ा, तकिया आजमबेग बारूदखाना, फातिमा हस्पिटल, इंद्रप्रस्थ आइटी चौराहा समेत चार कंटेनमेंट जोन को हटाने की सिफारिश भी कई गई है। इस प्रकार राजधानी में अब कुल नए कंटेनमेंट जोन की संख्या ३२ हो गई है।

लालजी टंडन की हालत में सुधार, वेंलिटलेर सपोर्ट धीरे-धीरे हो रहा कम

लखनऊ। राजधानी स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन की हालत में पहले से सुधार है। उनका वेंलिटलेर सपोर्ट धीरे–धीरे कम किया जा रहा है। किडनी भी ठीक से काम कर रही है। शनिवार को लालजी टंडन को देखने यूपी के स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर के मुताबिक, राज्यपाल अभी वेंटिलेटर पर ही हैं। मगर, शनिवार को हालत में सुधार आने पर वेंटिलेशन सपोर्ट कम किया गया है। किडनी के ठीक काम करने से डायलिसिस नहीं करनी पड़ रही है। दोपहर एक बजे उन्हें देखने यूपी के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से टंडन का हाल जाना। लालजी टंडन को ११ जून को भर्ती किया गया था। पिछले शनिवार को उनके पेट में रक्तस्राव होने के बाद अपरेशन किया गया था।बता दें, बीती १६ जून को मध्य प्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन का हाल चाल लेने एमपी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। १६ जून को यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित भी पहुंचे थे। १५ जून को यूपी डिप्टी सीएमकेशव प्रसाद मौर्य भी पहुंचे थे।

शातिर मोबाइल लुटेरा चढ़ा पुलिस के हत्थे

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन शातिर लुटेरे को मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शातिर के खिलाफ कार्यवाही कर पुलिस ने जेल भेज दिया है पीजीआई थाना प्रभारी के के मिश्रने बताया कि शनिवार की सुबह मुखबिर से सूचना मिलने पर उनके द्वारा गठित टीम उपनिरीक्षक विमल कुमार बैगा, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल रमाकांत यादव ,कॉन्स्टेबल सचिन तिवारी, कॉन्स्टेबल रामू यादव ,व्यवस्था की देखरेख में कल्ली चौकी के पास मौजूद थे उस दौरान मुखबिर जानकारी मिली कि तीन लोग मोहनलालगंज की तरफ से आ रहे हैं यह वही लड़के हैं जो जगत खेड़ा के पास रामू श्रीवास्तव का मोबाइल छीनने का प्रयास किया था। । पुलिस ने थाना क्षेत्र ओमेक्स मोड़ के पास से तीन युवक को पकड़ लिया। पकड़े गए युवक के

पास से पुलिस को तलाशी के दौरान लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है पकड़े गए शातिर लुटेरे ने पूछताछ में अपना परिचय जर्मन सिंह पुत्र जागीर सिंह निवासी पश्चिम पर्वर थाना मोहनलालगंज , मोहित रावत पुत्र राम लोटन निवासी दीवानगंज थाना मोहनलालगंज, अरुण रावत पुत्र राजाराम निवासी दीवानगंज थाना मोहनलालगंज बताया । पकड़े गए शातिर के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही कर जेल भेज दिया है।

अनलॉक के दौरान लगातार पेट्रोलिंग करे पुलिसः सीएम योगी

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रसार पर नियंत्रण इस समय सीएम योगी आदित्यनाथ का मुख्य लक्ष्य है। तमाम अंकुश के बाद भी प्रसार पर नियंत्रण अपेक्षा के अनुरूप न होने पर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ टीम–११ के साथ लगातार समीक्षा कर नई योजना बनाते हैं। कोरोना संक्रमण जितनी तेजी से पैर पसार रहा है, वह सरकार के लिए चुनौती भी बढ़ाता जा रहा है। रैंडम टेस्टिंग के साथ ही अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जोर सर्विलांस सिस्टम को अधिक से अधिक मजबूत करने पर है। इस काम में उन्होंने एक लाख निगरानी समितियों को लगाने के निर्देश दिए हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर टीम–११ के साथ समीक्षा बैठक में अनलक व्यवस्था पर कहा कि सर्विलांस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए निगरानी समितियों की संख्या में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि एनसीआर के जिलों में कोविड–१६ के संक्रमण को रोकने के लिए एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर उसे लागू करें। सर्विलांस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए निगरानी समितियों की संख्या में वृद्धि की जाए। यदि एक लाख निगरानी समितियां बना दी जाएं तो सर्विलांस व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है। कोविड–१६ के संक्रमण की चेन को तोड़ने में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। यह जिम्मा स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को सौंपा गया है।योगी ने कहा कि रैंडम टेस्टिंग से संक्रमण की वास्तविक स्थिति पता कर कारगर रणनीति बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ के संक्रमण से उत्पन्न परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी उपाय करना जरूरी है। डक्टरों की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता पर बल देते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्य करने वाले चिकित्सकों को मरीजों के उपचार में लगाने पर विचार किया जाए।उन्होंने कहा कि अनलक के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए। किसी भी जगह पर भीड़ एकत्र न हो, इसके लिए पुलिस लगातार पेट्रोलिंग करे। सभी जगह पर फिजिकल डिस्टेसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। कंटेनमेंट जोन में डोर–स्टेप डिलीवरी व्यवस्था को सुढ़ बनाए रखा जाए। इसके साथ ही चौराहों, बाजार, बस स्टेशन आदि पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लोगों को कोरोना वायरस से जागरूक किया जाये।कोरोना वायरस के प्रसार को हर जगह नियंत्रित करने में लोगों को जागरूक करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार–प्रसार जारी रखा जाए। उन्होंने कहा एनसीआर के जनपदों में कोविड–१६ के संक्रमण को रोकने के लिए एक बेहतर कार्य योजना बनाकर उसे लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा जिला प्रशासन को सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश भी दिए।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी अस्पतालों में रजिस्ट्रेशन काउंटर के पास कोरोना से बचाव संबंधी बैनर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर श्कोविड हेल्प डेस्कश स्थापित की जाएं। इसके माध्यम से लोगों को कोविड–१६ के संक्रमण से बचाव तथा उपचार की जानकारी मुहैया कराई जाए। उन्होंने सभी जगह अस्पतालों में कोविड हेल्प डेस्क पर सेनिटाइजर, इंफ्रारेड थर्मामीटर तथा पल्स अक्सीमीटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने रैंडम चेकिंग में वृद्धि के निर्देश देते हुए कहा कि इसके माध्यम से कोविड–१६ के प्रसार की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस जानकारी के आधार पर कोरोना के खिलाफ जंग में कारगर रणनीति निर्धारित करने में मदद मिलेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से खाद्यान्न वितरण कार्य शुरू हो गया है। आज से खाद्यान्न वितरण का अभियान पुनरू प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद्यान्न वितरण का कार्य पूरी पारदर्शिता से संचालित किया जाए। सभी जिलाधिकारी खाद्यान्न वितरण कार्य की प्रभावी मनीटरिंग करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खाद्यान्न से वंचित न होने पाए। उन्होंने अवैधॉप्लटिंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आरके तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लखनऊ के चिनहट ब्वॉलर ब्लास्ट मामले में फैक्ट्री मालिक और मैनेजर पर एफआइआर की कार्रवाई

लखनऊ। चिनहट स्थित रामस्वरूप कैमिकल फैक्ट्री में विस्फोट के दौरान फतेहपुर निवासी कर्मचारी स्वरूप सिंह (३५) की मौत के मामले में उसकी पत्नी कांति पाल की तहरीर पर फैक्ट्री मालिक विशाल अग्रवाल और मैनेजर वीके सिंह के खिलाफ एफआइआर दर्ज हो गई है। चिनहट कोतवाली में लापरवाही बरतने व आईपीसी की अन्य ६ ाााओं में दर्ज मुकदमे की विवेचना के आधार आगे की कार्रवाई होगी। इंस्पेक्टर चिनहट के मुताबिक, रात में हुए सर्च अपरेशन में फैक्ट्री के मलबे में और कोई मजदूर नहीं निकला है। उधर चीफ फायर अफसर वीके सिंह ने बताया कि रिहायशी इलाके में चल रही इस फैक्ट्री को दो वर्ष पूर्व साल पहले ही दमकल विभाग ने चेक करने के बाद अन्यंत्र शिफ्ट करने की सिफारिश की थी। फैक्ट्री की दमकल से एनओसी भी नहीं है, नोटिस भी दी गई थी। यहां के कैमिकल से करीब दो दर्जन भैसों की भी मौत हो गई थी। एक बार फैक्ट्री बंद भी हुई। बावजूद इसके दोबारा कैसे और किसके निर्देश पर चल रही थी। यह भी जांच का विषय है।चिनहट के रिहायशी इलाके में स्थित रामस्वरूप कैमिकल फैक्ट्री में शुक्रवार रात अचानक ब्लास्ट हो गया। घटना में फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूर स्वरूप सिंह की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर मौके पर दर्जनभर दमकल और आधादर्जन एम्बुलेंस राहत और बचाव कार्य में देर रात तक जुटी रहीं। शुक्रवार रात नौ बजे के करीब कीटनाशक दवाएं बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक धमाका हुआ, जिससे आसपास का पूरा इलाका हिल गया। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री की सीमेंट की छत उड़ गई। टुकड़े दूर तक जा गिरे। पड़ोस में रहने वाली दो महिलाएं चपेट में आकर घायल हो गईं।

मिट्टी के खनन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई घायल

लखनऊ। बीकेटी थाना में चल रहे मिट्टी के खनन को दो पक्षों में देर रात जमकर संघर्ष हुआ। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें सीएचसी ले जाया गया। आरोप है कि मारपीट में चाकू, लोहे की बाड़ी से हमला किया गया और फायरिंग भी की गई है। सुबह घायलों को सिविल अस्पताल के लिये रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। बीकेटी थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव में यह घटना देर रात की है। निर्माणाधीन आउटर रिंगरोड पर पटान के लिये शिवपुरी गांव से कुछ दूरी पर मिट्टी खनन हो रहा था। रात को ग्राम प्रधान संतोष कुमार के भाई राघवेंद्र प्रताप,भतीजा विवेक कुमार,और रामू, मौके पर पहुंचे। ग्राम प्रधान ने बताया उनके भाई ने एसडीएम और पुलिस को अवैध खनन की सूचना दी। जिससे नाराज होकर खनन कराने वालों ने उनके भाई भतीजे के साथ अन्य लोगों को ललकारते हुए धारदार हंथियार और लोहे की बाड़ी से मारा पीटा कई राउंड फायरिंग की गई और डंफर चढ़ाने का प्रयास किया गया। घटना की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो खनन कराने वाले मौके से भाग निकले। पुलिस ने घायलों को बीकेटी सीएचसी पर भर्ती कराया। घायलों को सुबह सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बीकेटी के इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह ने बताया ग्राम प्रधान की तहरीर पर माल के बदैंय्या निवासी सोनू सिंह, अकड़रिया इटौंजा निवासी पुनीत शुक्ला, बरगदी कला निवासी महेंद्र, शिवपुरी के अशोक कुमार, केशन वर्मा समेत १५ अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, बलवा समेत एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।इंस्पेक्टर ने बताया तीन डंफर दो जेसीबी मौके पर मिले थे जिन्हें थाने पर लाया गया है। वहीं दूसरी ओर सोनू सिंह का कहना है आउटर रिंग रोड में मिट्टी पटान के लिये रयल्टी है। शिवपुरी में खनन स्थल पर ११ जून की रात को उन पर पेट्रोल बम से हमला हुआ था। जिसमें उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई थी घटना की उन्होंने बीकेटी थाने पर शिकायत भी की थी। बीकेटी के एसडीएम डा संतोष कुमार ने बताया सुबह जानकारी मिली है। खनन स्थल टीम भेजकर जांच कराई जायेगी।

धरती का सीना चीर रही जेसीबी मशीन

गोलागोकरननाथ—खीरी। तहसील गोला के थाना कोतवाली गोला व थानामैलानी की पुलिस चौकी बांकेगंज चौकी इंचार्ज अनेक पाल सिंह अवैध ा बालू खनन और में जेसीबी मशीन धरती का सीना चीर रही है।ट्राला व ट्रेक्टर ट्रालियों से सुबह से शाम तक मिटटी का होता रहता है खनन।खनन निरीक्षक अमित पांडेय ने मिटटी खनन को जायज ठहराते हुए व्यवसयिक व धंधा करने की छूट दी। खनन निरीक्षक गोला अमित पांडेय ने युवा पत्रकार अभिषेक शुक्ला को मोवाइल पर हुई वार्ता में कहा कि उ.प्र. सरकार ने मिटटी पर से राएलटी को हटा लिया है इस लिए अब मिटटी पर से खनन में छूट है। बताते चलें कि तहसील गोला के क्षेत्र में लगभग ईट भठ्ठा बंद हो चुके है इसके बावजूद मिटटी का खनन बराबर जारी है। ऐशिया की प्रमुख चीनी मिल हिन्दुस्तान शुगर मिल गोला गोकरननाथ में लगभग पचास ट्रेक्टर ट्राली व ट्राला सुबह चार बजे से आठ बजे तक मिटटी को लाकर निचले इलाके की पटाई कर रहे है। खनन निरीक्षक गोला व खननकर्ता के बीच लाखों की डील होने की चर्चा है जिसके चलते खुलेआम मिटटी खनन का गोरखधंधा जारी है। गौरतलब हो कि गोला चीनी मिल ने लगभग बीस एकड से अधिक जमीन लीज पर ली थी जिसको वापस करना है शर्त के अनुसार उसमें पहले जैसी स्थिति होना है इस लिए मिटटी की पटाई का ठेका जो कि कई लाख का है वह दिया है जिस ठेकेदार को दिया है उसने खनन निरीक्षक व संबंधित थाना पुलिस को मिलाकर पटाई का धंधा चालू कर दिया है। उ. प्र.शासन के प्रमुख सचिव खनन को फैक्स व रजिद्द्डाक तथा मेल के माध यम से अवगत कराया है और मोवाइल किलिप भी देकर खनन निरीक्षक अमित कुमार पांडेय के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मिटटी का खनन जो कि व्यवसायिक है उसपर तत्काल रोक लगाने तथा की गई कार्रवाई से अवगत कराने की मांग की है। वही सौजन्य चौक से खीरी रोड से बन रहा रोड डिवाइडर मैं बड़ा खेल सड़क के दोनों तरफ लगे बिजली के खंभों को ना हटाते हुए बनाया जा रहा है डिवाइडर जनता की गाढ़ी कमाई का नहीं दिया जा रहा है ध्यान डिवाइडर के बनने से सड़क का चौड़ीकरण हुआ खत्म आने जाने वाले लोगों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है डिवाइडर सरकारी मानक को ताक पर रखकर बनाया जा रहा है रोड डिवाइडर नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारीगण नहीं दे रहे ध्यान आम जनता तेज धूप में घंटों जाम लगने से परेशान रोड के दोनों तरफ बच्चों के जिला अस्पताल है।

लकड़कट्टे चला रहे हरियाली पर आरा

सिंगाही खीरी। एक तरफ जहां सरकार द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है की सभी भरे पेड़ों की सुरक्षा करें वाह सभी पेड़ लगाएं। और कुछ वन माफिया वा लकड़ कट्टे सरकार के नियमों को अनदेखा कर हरियाली पर आरा चला रहे हैं। आपको बताते चलें सिंगाही थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नौरंगाबाद में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के पास खाली पड़ी ग्राम पंचायत की जमीन पर लगे सेमल के दर्जनों पेड़ कटे पड़े मिले। सुबह बुधवार को ग्रामीणों कि नजर कटे पड़े पेड़ों की नजर पड़ने पर लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है इस बाबत में मौजूदा ग्राम प्रधान हरपाल सिंह से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया की यह पेड़ मेरी जानकारी में नहीं काटे गए हैं मिली जानकारी के अनुसार सिंगाही थाना क्षेत्र के टांडा निवासी अजीम खान ने चोरी से कटे हैं, इसकी जानकारी होने पर ग्राम प्रधान के द्वारा सिंगाही थाने में आरोपी अजीम के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

अद्भुत यात्रा : निर्वस्त्र हवाई यात्रा

अमरेन्द्र सहाय अमर

जरा सोचिये, आप यात्रा कर रहे हों और कोई इस यात्रा के दौरान निर्वस्त्र हो जाय , तो आप उसके बारे में क्या कहेंगे ? वह भी हवाई यात्रा के दौरान . जहाँ एयर होस्टेस होती हैं जो आपकी यात्रा के दौरान आपकी सुविधाओं का ख्याल रखती हों. . ऐसे यात्री के बारे में अप यही कहेंगे कि कही यह पागल या मंद बुद्धि तो नही. हवाई यात्रा के दौरान आपने कई हैरतअंगेज मामले सुने होंगे. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे केस के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें एक आदमी बिना कपड़ों के ही हवाई यात्रा करने हवाई जहाज में पहुंच गया. जानें क्या है पूरा मामला. ये मामला मास्को में रूस के डोमोडेडोवो हवाई अड्डे पर यूराल एयरलाइंस की उड़ान के दौरान का है. इस ३८ वर्षीय पुरुष को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस पुरुष ने पुलिस के बताया कि वे अश्लीलता फैलाने के कारण न्यूड नहीं हुआ है. उसका कहना है कि फ्लाइट में यात्रा करने के दौरान कपड़े पहनने पर वो बिल्कुल भी सहज महसूस नहीं करता. ऐसे में वो न्यूड ही यात्रा करता है. पुलिस की गिरफ्त में इस पुरुष की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. ये पुरुष रूस का रहने वाला है. पुलिस ने ये भी चौक किया कि कहीं इसने शराब ना पी रखी हो. पता चला वह शराब नही पिए हुए है. पूरे मामले के बाद इस पुरुष हो मेडिकल रूम में ले जाकर मेडिकल फैसिलिटी दी गई ताकि ये आराम से हवाई सफर कर सके और सह यात्रियों को असुविधा भी न हो .

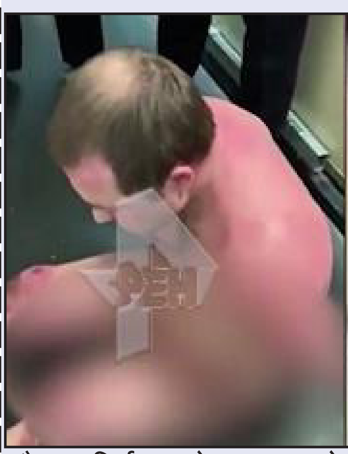

दो मिनट का मौन रखकर जवानों दी श्रंद्धाजलि

चीनी राष्ट्रपति का पुतला फूंका मितौली खीरी। भारत चीन सीमा पर गलवान घाटी में अचानक हुए भारतीय सेना पर कायरता पूर्ण व धोखे से हमला जिसमे हमारे २० सैनिक सहीद हुए जिनके सम्मान में रोशनी फॉउंडेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धान्जलि अर्पित करते हुए प्रतिज्ञा की कि हम आज के बाद कोई भी चाइनीज वस्तुओ का स्तेमाल नही करेंगे।साथ ही चाइनीज राष्ट्रपति सी जिनिपिंग के पुतले का दहन कर लगे चीन मुर्दा बाद के नारे।इस मौके पर रमेश शुक्ला आखिलेश मिश्र विकाश शुक्ल एस. पी. सिंह अंकित यादव रामचंद्र सर्वेश श्रीवास्तव कमलेश पाल रोशनी फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय यादव व एल पी आर हेल्पलाइन के संचालक व रोशनी फउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एल .पी राठौर मौजूद रहे।

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए रविवार का दिन तय करने को कहा गया

लखनऊ। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में सत्र २०१९–२० की परीक्षाओं के साथ बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। जिसमें परीक्षाओं से जुड़ी सभी जानकारियां साफ कर दी गयी हैं। आदेश के मुताबिक राज्य विश्वविद्यालयों की वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाएं ३० जून के बाद तिथि तय करके शुरू करानी होंगी। वहीं बीएड २०२० की संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं के लिए रविवार का दिन तय करना होगा। ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा के समय कोई दिक्कत न होने पाये। इस बारे में जानकारी देते हुए उच्च शिक्षा मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि परीक्षा में सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। जरूरत पड़ी तो केन्द्रों की संख्या बढ़ायी जा सकती है। इसके साथ ही सभी केन्द्रों पर सैनिटाइजर की व्यवस्था

केन्द्र व्यवस्थपकों को करनी होगी। सचिव ने बताया कि कोविड–१९ महामारी की रोकथाम के लिए देशव्यापी लकडाउन के कारण बीते एक जून से ३० तक प्रभावी रहने के बीच गृह मंत्रालय के आदेश को देखते हुए दिशा निर्देश जारी किए गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चिचत करना होगा कि बीएड प्रवेश परीक्षा उसी केन्द्र पर करायी जायेगी जहां पर सीसीटीवी कैमरे होंगे, यदि किसी केन्द्र पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था नहीं है तो वहां परीक्षाएं नहीं करायी जायेंगी। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए रविवार का दिन तय करने के लिए कहा गया है, ऐसे में विश्वविद्यालयों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गये हैं कि वह बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए किस तारीख का रविवार तय करना चाहते हैं इसके लिए वह उच्च शिक्षा विभाग को जल्द से जल्द सूचित भी करें।

लॉकडाउन में परिवार को मिस कर रहे संजय दत्त

मुंबई। बॉलीवुड के माचो मैन संजय दत्त लॉकडाउन में अपने परिवार को बेहद मिस कर रहे हैं। संजय

अपने परिवार से दूर हैं और यही वजह है कि उन्हें अपनी पत्नी और बच्चों की याद सता रही हैं। संजय ने अपने परिवार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है जिसे फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। तस्वीर में संजय दत्त अपनी पत्नी मान्यता दत्त और बच्चों शहरान और इकरा नजर आ रहे हैं। संजय दत्त की पत्नी एवं बच्चे इस वक्त दुबई में हैं और लॉकडाउन शुरू होने के वक्त से वहीं पर फंसे हुए हैं। वे लॉकडाउन से पहले वहां गए थे लेकिन उसके बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स बंद होने से सभी दुबई में हैं। संजय दत्त ने अपनी भावनाओं को शब्द देते हुए तस्वीर के कैप्शन में लिखा, "मुझे उनकी बहुत याद आती है। हर कोई जो इस वक्त अपने परिवार के साथ है, इस वक्त को एन्जय करे।

मुझे जोखिम लेना पसंद है : अदा शर्मा

नई दिल्ली। साल २००८ में हॉरर फिल्म '१९२०' से अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री अदा शर्मा को इस फिल्म के बाद लोकप्रिय एक्शन फ्रैंचाइजी 'कमांडो' में देखा गया था और इसके बाद वह आगामी 'मैन टू मैन' में एक व्यक्ति की भूमिका निभाती नजर आएंगी। ऐसे में अभिनेत्री का कहना है कि वह जोखिम लेना पसंद करती हैं। अदा ने कहा, १९२०' मेरी पहली फिल्म थी और मेरे लिए फिल्म में भूत के चंगुल में फंसी लड़की का किरदार निभाना काफी जोखिम भरा था। दर्शक मुझे पहली बार देखने जा रहे थे और वे मुझे काले दांतों और गंदे बालों के साथ देखने जा रहे थे, और मैं भूतहा आवाज में चिल्ला रही थी। मुझे इस तरह के जोखिम लेना पसंद है। उन्होंने आगे कहा, जब हमने 'कमांडो २' किया, तो वह भी एक जोखिम ही था, क्योंकि आपने एक ऐसी महिला को नहीं देखा था जो मजाकिया लहजे के साथ तेलुगू मिश्रित हिंदी बोलती है। तो यह एक और जोखिम था और यह वास्तव में काम करता है। यहां तक कि 'कमांडो ३' में भी उन्होंने मुझे भावना रेड्डी ('कमांडो २' में उनका किरदार) के रूप में जारी रखा। मैं एक एक्शन फ्रैंचाइजी में शामिल होने को लेकर बहुत भाग्यशाली हूं, जो भारत में सबसे बड़ी एक्शन फ्रेंचाइजी में से एक है। अदा की आगामी फिल्म 'मैन टू मैन' है।

धर्मेन्द्र ने लोगों को डिप्रेशन से दूर रहने की सलाह दी

मुंबई। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेन्द्र ने लोगों को डिप्रेशन से दूर रहने की सलाह दी है। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर खासे एक्टिव हैं। धर्मेंद्र इन दिनों अपने फार्म हाउस पर समय बिता रहे हैं और वहीं से

वीडियो पोस्ट कर फैन्स को एंटरटेन कर रहे हैं। धर्मेंद्र ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो दिखा रहे हैं कि कैसे उनके फार्म हाउस पर गाय घास चर रही हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, "डिप्रेशन को डिप्रेशन दे दो.हसरतों से कहोहद में रहेंकोरोना कीफुरसत कोरोना सेफुरसत मिलकर रहेगी। धर्मेंद्र ने इस तरह फैन्स को डिप्रेशन से दूर रहने की सलाह दी है।वो वीडियो में कहते दिख रहे हैं ,"गाय घास चर रही हैं और मैं ठंडी सेवइयां खा रहा हूं। आप सब कैसे हैं। कोरोना से बचकर रहिए। लव यू ऑल।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली

विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

खादी को बढ़ावा देंगे पंकज त्रिपाठी

मुंबई। अभिनेता पंकज त्रिपाठी खादी के उपयोग के महत्व पर लोगों को जागरूक कर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। इस बारे में उन्होंने कहा, "खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं है बल्कि एक सोच है जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार लाती है। मुझे उद्योग मंत्रालय, बिहार से संपर्क किया गया था, जिसके अधिकारी मुझे मेरे थिएटर के दिनों से जानते हैं। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि खादी को एंबेसडर की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं उस भावना में विश्वास करता हूं जिससे खादी

लुभाती है। मेरा पहल के साथ भावनात्मक संबंध है। उन्होंने आगे कहा, एक कलाकार के रूप में, मेरा मानना है कि हमें खादी को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, क्योंकि इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए दूरगामी लाभ हैं। जैसा कि महामारी से उत्पन्न मानवीय संकट से स्पष्ट है, हमें ग्रामीण भारत को मजबूत करने की आवश्यकता है। गाँवों के लोग बड़े शहरों में काम करना नहीं चाहते हैं। उन्होंने अपने प्रशंसकों से अधिक खादी उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email- adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

नीचा दिखाने वाले लोगों का विरोध करें : आयशा टाकिया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा टाकिया का कहना है कि यदि कोई आपको नीचा दिखाने का प्रयास करता है तो आपको उसका विरोध करना चाहिये। सुशांत सिंह राजपूत निधन के बाद से कई कलाकारों ने दावा किया है कि फिल्म उद्योग में भाई भतीजावाद है और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के बच्चों को तरजीह दी जाती है जबकि बाहरी व्यक्ति को परेशान किया जाता है। आयशा टाकिया ने भी अब बॉलीवुड में बुली करने की आदत पर अपने अनुभव साझा किए हैं। आयशा टाकिया उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इसका खुलासा किया है।

आयशा ने लिखा, "ट्रोलिंग और काम की जगह बुलिंग के मेरे अपने अनुभव रहे हैं। मैं इस पर खुलकर अपनी बात रखना चाहती हूं और चाहती हूं कि अगर कोई आपको नीचा दिखाने का प्रयास करता है, तो उसका विरोध करें। यह मान लीजिए कि आप सबसे खास हैं। आप यहां बने रहने और अपने हक की खातिर लड़ने के लिए मौजूद हैं। आप उज्ज्वल और अलग हैं। आपको उन्हें जीतने नहीं देना चाहिए। किसी से बात करें। लोगों तक अपनी बात पहुंचाएं। डायरी पर अपनी बात लिखें या ऑनलाइन किसी से बात करें, लेकिन किसी को खुद पर हावी न होने दें। इन बकवासों को सहन न करें। आयशा ने लिखा, "मुझे पता है कि यह सब कुछ कहना आसान है, लेकिन आपको ऐसा करना होगा, आपको ऐसा करने की जरूरत है, कोई न कोई आपकी जरूर सुनेगा। हमें अपनी आगामी पीढ़ी के लिए इस धरती को एक बेहतर स्थान बनाना है और इस खातिर आपस में प्यार और सहिष्णुता बनाए रखें। लोगों संग अच्छा बर्ताव करें, क्योंकि कौन किस मुश्किल दौर से गुजर रहा है, इसका अंदाजा आपको नहीं है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक